

तारीख हुक्म

13.06.25

पत्रावली पेश हुई। अधिवक्ता प्रार्थी एवं प्रार्थीगण के नाम से न्यायालय समय में अलग-अलग समय पर तीन बार आवाज दिलाई गई। कोई उपस्थित नहीं।

इससे स्पष्ट प्रतीत होता है कि अधिवक्ता प्रार्थी एवं प्रार्थीगण अपने प्रार्थना-पत्र को लेकर गंभीर नहीं हैं।

लिहाजा प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र 'अदम-पैरवी' व 'अदम हाजिरी' में स्वार्जित किया जाता है।

पत्रावली फैसल शुमार होकर दारिखल दफतर हो व नंबर से कम हो

(689) नंबर

13/06/25